लोक सुनवाई का विवरण

विषयः– ई.आई.ए. नोटिफिकेशन 2006 (यथा संशोधित) के तहत् मेसर्स संभव ट्यूब्स प्राइवेट लिमिटेड, ग्राम केसदा, तहसील सिमगा, जिला बलौदाबाजार–भाटापारा में प्रस्तावित Greenfield Steel project of Iron Ore Pellet Plant – 12,00,000 TPA, Sponge Iron Plant (4 x 500 TPD DRI Kiln) – 7,00,000 TPA, Steel Melting Shop – (Induction Furnace (with CCM, LRF, VD, VOD, AOD & EAF (with CCM, LRF, VD, VOD, AOD) – 10,45,000 TPA, Re-rolled Steel Products (Hot Charging Rolling Mill – 5,50,000 TPA & Reheating Furnace – 4,50,000 TPA), Producer Gas Plant – 25,000 Nm^3/hr, Cold Rolled Product – 6,00,000 TPA, Steel Tube/Pipes and other profiles – 10,00,000 TPA, Coil/Strip Annealing, Pickling – 10,00,000 TPA, Galvanized Steel – 3,00,000 TPA, Ferro Alloy Plant (2 x 9 MVA SAF) – (Si-Mn – 38,000 TPA and/or Fe-Mn – 48,000 TPA and/or Fe-Si – 21,000 TPA and/or Pig Iorn – 76,000 TPA), Coal Washery – 8,00,000 TPA, Captive Power Plant (WHRB Boiler – 60 MW & FBC – 25 MW), Oxygen Plant – 45,000 Nm^3/hr, Fly Ash Brick Plant – 1,00,000 Bricks/day के पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु दिनांक 16.06.2025 को आयोजित लोक सुनवाई का विवरण।

भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, द्वारा जारी ई.आई.ए. अधिसूचना 2006 (यथा संशोधित) के तहत् मेसर्स संभव ट्यूब्स प्राइवेट लिमिटेड, ग्राम केसदा, तहसील सिमगा, जिला बलौदाबाजार–भाटापारा में प्रस्तावित Greenfield Steel project of Iron Ore Pellet Plant – 12,00,000 TPA, Sponge Iron Plant (4 x 500 TPD DRI Kiln) – 7,00,000 TPA, Steel Melting Shop – (Induction Furnace (with CCM, LRF, VD, VOD, AOD & EAF (with CCM, LRF, VD, VOD, AOD) – 10,45,000 TPA, Re-rolled Steel Products (Hot Charging Rolling Mill – 5,50,000 TPA & Reheating Furnace – 4,50,000 TPA), Producer Gas Plant – 25,000 Nm^3/hr, Cold Rolled Product – 6,00,000 TPA, Steel Tube/Pipes and other profiles – 10,00,000 TPA, Coil/Strip Annealing, Pickling – 10,00,000 TPA, Galvanized Steel – 3,00,000 TPA, Ferro Alloy Plant (2 x 9 MVA SAF) – (Si-Mn – 38,000 TPA and/or Fe-Mn – 48,000 TPA and/or Fe-Si – 21,000 TPA and/or Pig Iorn – 76,000 TPA), Coal Washery – 8,00,000 TPA, Captive Power Plant (WHRB Boiler – 60 MW & FBC – 25 MW), Oxygen Plant – 45,000 Nm^3/hr, Fly Ash Brick Plant – 1,00,000 Bricks/day के पर्यावरणीय स्वीकृति प्राप्त करने बाबत् लोक सुनवाई कराने हेतु छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल में आवेदन किया गया है। दैनिक समाचार पत्र नई दुनिया तथा पंजाब केसरी में दिनांक 15 मई 2025 को लोक सुनवाई की सूचना प्रकाशित करवाई जाकर दिनांक 16 जून 2025 को समय प्रातः 11:00 बजे से स्थल– नवीन शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला के सामने मैदान ग्राम नेवधा, तहसील सिमगा, जिला बलौदाबाजार–भाटापारा (छ.ग.) में लोक सुनवाई नियत की गई थी, जिसकी सूचना संबंधित ग्राम पंचायतों को प्रेषित की गई व तामिली भी ली गई।

प्रस्तावित परियोजना के पर्यावरणीय स्वीकृति बाबत् लोक सुनवाई दिनांक 16.06.2025 को अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, जिला बलौदाबाजार–भाटापारा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। लोक सुनवाई के दौरान क्षेत्रीय अधिकारी, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल रायपुर तथा गणमान्य जनप्रतिनिधि एवं लगभग 500 जन सामान्य उपस्थित थे। लोक सुनवाई का कार्यवाही विवरण निम्नानुसार हैः–

1. लोक सुनवाई प्रातः 11:00 बजे से प्रारंभ हुई।

2. सर्वप्रथम उपस्थित लोगों की उपस्थिति दर्ज कराने की प्रक्रिया आरंभ की गई। जिन लोगों ने उपस्थिति पत्रक पर हस्ताक्षर किये हैं, उनकी सूची संलग्नक–01 अनुसार है, (पृष्ठ क्रमांक 01 से 23)।

3. क्षेत्रीय अधिकारी, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल, रायपुर द्वारा प्रस्तावित परियोजना की लोक सुनवाई के प्रक्रिया के संबंध में जानकारी देते हुये अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी महोदया से लोक सुनवाई प्रारंभ करने का निवेदन किया गया।

4. अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, बलौदाबाजार–भाटापारा द्वारा संबोधित किया गया कि आज की जनसुनवाई में आप सभी लोगों का स्वागत है। जनसुनवाई जो है आपकी विचार के लिए, आपकी टिप्पणी के लिए, आपकी आपत्ति जो भी है, वह आप यहॉ पर आकर मौखिक या लिखित रूप में दे सकते हैं और अब मैं परियोजना के प्रस्तावक से आग्रह करती हूँ कि वे अपना प्रस्ताव जनता के समक्ष पढ़ें।

5. परियोजना प्रस्तावक की ओर से श्री उपेन्द्र कुमार चौधरी, वाईस प्रेसीडेंट, मेसर्स संभव ट्यूब्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा जानकारी प्रस्तुतीकरण के अनुक्रम में संबोधित किया गया कि कंपनी संभव ट्यूब्स प्राइवेट लिमिटेड की ओर से हमारी इस प्रस्तावित ग्रीनफील्ड परियोजना के संदर्भ में इस जनसुनवाई सभा में उपस्थित आप सभी सम्मानित नागरिकों का स्वागत करता हूँ। जिला प्रशासन की ओर से उपस्थित अतिरिक्त जिलाधीश मैडम दीप्ति गौते एवं छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल की ओर से क्षेत्रीय अधिकारी श्री पी. के. रबड़े जी एवं उनकी टीम के सभी सदस्यों का स्वागत करता हूँ। जिला प्रशासन के अन्य सम्मानित अधिकारियों, पुलिस विभाग के अधिकारियों, उनके प्रतिनिधि तथा उपस्थित समस्त सम्मानित जनप्रतिनिधियों, नागरिकों तथा ग्राम वासियों का स्वागत करता हूँ। इस परियोजना के संबंध में अधिक जानकारी हमारे ईआईए सलाहकार मेसर्स ग्रास रूट रिसर्च एण्ड क्रिएशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा की ओर से श्री निखिल कुमार जी प्रदान करेंगे। मैं पीठासीन अधिकारी जी की अनुमति से उन्हें परियोजना तथा ईआईए की जानकारी प्रदान करने हेतु आमंत्रित करता हूँ।

6. परियोजना प्रस्तावक की ओर से श्री निखिल कुमार, पर्यावरणीय सलाहकार, मेसर्स ग्रास रूट रिसर्च एण्ड क्रिएशन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा द्वारा जानकारी प्रस्तुतीकरण के अनुक्रम में संबोधित किया गया कि आदरणीय अतिरिक्त जिलाधिकारी महोदया, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल के क्षेत्रीय अधिकारी, अन्य अधिकारी गण, जनसुनवाई में उपस्थित जनप्रतिनिधि, मीडिया के प्रतिनिधि गण एवं आसपास के क्षेत्र से आए हुए ग्राम वासियों। आज हम सब मेसर्स संभव ट्यूब्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रस्तावित ग्राम केसदा, तहसील सिमगा, जिला बलौदाबाजार–भाटापारा में प्रस्तावित ग्रीनफील्ड स्टील संयंत्र परियोजना के पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु जनसुनवाई के लिए यहॉ उपस्थित हुए हैं। प्रस्तावित परियोजना में डीआरआई आधारित स्पंज आयरन 7,00,000 टन प्रतिवर्ष, आयरन ओर पेलेट्स 12,00,000 लाख टन प्रतिवर्ष, इंडक्शन फर्नेस स्टील मेल्टिंग शॉप जिसमें 10,45,000 टनप्रति वर्ष, एमएस बिलेट 10,00,000 टन प्रतिवर्ष के रिरोल्ड स्टील उत्पाद जिसमें प्रोड्यूसर गैस प्लांट 25000 Nm^3/hr, कोल्ड रोल्ड उत्पाद, स्टील ट्यूब और अन्य प्रोफाइल स्ट्रिप क्वाईल पिकलिंग और एनिलिंग गैल्वेनाईज्ड स्टील सबमर्जड आर्क फर्नेस जिसमें 2x9 एमव्हीए सबमर्ज्ड आर्क फर्नेस द्वारा फेरो एलायस प्लांट जिसमें सिलिको मेंगनीज, फेरो मेंगनीज और फेरो सिलीकॉन का उत्पादन किया जाएगा। कोल वाशरी, ऑक्सीजन प्लांट 85 मेगावाट का कैप्टिव पावर प्लांट और 1,00,000 ईंट प्रतिदिन फ्लाई एश ब्रिक्स प्लांट शामिल है। परियोजना में कुल 41.25 हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता है। परियोजना की कुल लागत 1,220 करोड़ रुपए है और परियोजना के संचालन के लिए कुल 2,600 लोगों की जरूरत होगी। परियोजना के लिए कुल 4,708 किलोलीटर जल प्रतिदिन की जरूरत होगी, जिसे निकटतम जल स्रोत से प्राप्त किया जाएगा। इसके साथ ही कुल बिजली की आवश्यकता 150 मेगावाट होगी, जिसमें से 85 मेगावाट कैप्टिव पावर प्लांट से पूरी की जाएगी और 65 मेगावाट स्टेट ग्रिड से प्राप्त की जाएगी। इसके अलावा आपातकालीन बैकअप के लिए कुल 4,000 केवीए डीजी सेट भी प्रस्तावित है। प्रस्तावित परियोजना ईआईए नोटिफिकेशन 2006 की श्रेणी ''ए'' में आती है, जिसकी परियोजना के पर्यावरण स्वीकृति हेतु परियोजना का पर्यावरण प्रभाव आंकलन का अध्ययन आवश्यक हो जाता है। अतः इस परियोजना का पर्यावरण प्रभाव आंकलन का अध्ययन मेसर्स जी.आर.सी. इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा कराया गया है, जो कि नोएडा (उत्तरप्रदेश) में स्थित एक पर्यावरण परामर्श की संस्था है। परियोजना के ईआईए स्टडी के लिए टीओआर के लिए आवेदन 26 नवम्बर 2024 को किया गया था तथा इसे पर्यावरण एवं वन मंत्रालय द्वारा 5 जनवरी 2025 को टीओआर प्रदान किया गया था। ईआईए अध्ययन के दौरान परियोजना स्थल के संपर्क साधन एवं पर्यावरणीय परिवेश का विश्लेषण किया गया है। परियोजना स्थल से तिल्दा–सिमगा सड़क लगा हुआ है। इसके लिए अलावा स्टेट हाईवे–10 उत्तर दिशा में स्थित है, निकटतम रेलवे स्टेशन हथबंध रेलवे स्टेशन है तथा निकटतम हवाई अड्डा बिलासा देवी केंवट हवाई अड्डा है। परियोजना स्थल से केसदा गांव 500 मीटर से

अधिक दूरी पर स्थित है तथा निकटतम शहर तिल्दा–नेवरा शहर है, जो कि लगभग 6.3 किलोमीटर की दूरी पर है। शिवनाथ नदी पश्चिम दिशा में 9.5 किलोमीटर की दूरी पर है। परियोजना क्षेत्र में कोई भी मानव बस्ती नहीं है तथा कोई भी नदी या नाला परियोजना क्षेत्र से नहीं बह रही है। परियोजना के ईआईए अध्ययन के दौरान 10 किलोमीटर के क्षेत्र में वायु, जल, मृदा की गुणवत्ता तथा ध्वनि स्तर की भी जांच की गई है। वायु, जल, मृदा एवं ध्वनि से जुड़े सारे मापदंड सीपीसीबी द्वारा निर्देशित मानकों के अनुरूप पाए गए हैं। प्रस्तावित संयंत्र के संचालन के दौरान वायु, जल एवं ध्वनि प्रदूषण की पर्याप्त व्यवस्था की जाएगी एवं रोटरीक ड्रिल से निकलने वाली उत्सर्जन गैसें पहले डब्ल्यूएचआरबी से होकर गुजरेगी और ताप ऊर्जा की पुनः प्राप्ति के बाद यह गैसें उच्च दक्षता वाले इलेक्ट्रोस्टेटिक प्रेसिपिटेटर से होकर निकलेगी, ताकि उत्सर्जन को गैसों में मौजूद ठोस कणों की मात्रा को 30 मिलीग्राम प्रति घन मीटर से कम किया जा सके, इसके बाद उपचारित गैसों को 65 मीटर ऊँची एक चिमनी के माध्यम से वायुमंडल में छोड़ा जाएगा। इंडक्शन फर्नेस से निकलने वाले फ्यूजिटिव उत्सर्जन को हुड्स के माध्यम से खींचा जाएगा और फिर यह उत्सर्जन एक फ्यूम एक्सट्रैक्शन सिस्टम से होकर गुजरेगा, जिसमें बैग फिल्टर लगे होंगे। एएफबीसी बॉयलर से निकलने वाले गैसों को भी उच्च दक्षता वाले इलेक्ट्रोस्टेटिक प्रेसिपिटेटर से होकर ही निकाला जाएगा। इसके अलावा वायु प्रदूषण के अन्य उपाय नियंत्रण के उपाय भी किए जाएंगे, जिसमें नियमित जल छिड़काव, वृक्षारोपण, पीयूसी सर्टिफाईड वाहनों का इस्तेमाल आदि शामिल है। जल प्रदूषण नियंत्रण के लिए मुकम्मल इंतजाम होंगे, प्लांट पूरी तरह से जीरो लिक्विड डिसचार्ज पर आधारित होगा। पावर प्लांट से निकलने वाले अपशिष्ट जल का उपचार संयंत्र परिसर में प्रस्तावित ईटीपी के माध्यम से किया जाएगा। उपचारित जल का उपयोग पानी का छिड़काव, धूल दमन तथा सिंचाई के कार्यों में किया जाएगा। मल–जल के उपचार के लिए कुल 100 केएलडी के एसटीपी की स्थापना की जाएगी। संयंत्र से निकलने वाले ठोस अपशिष्टों का निवारण भी विद्यमान नियम के अनुसार किया जाएगा। वायु, एवं ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण के लिए प्लांट में 14 हेक्टेयर भूमि में वृक्षारोपण की जाएगी, जिसमें कुल 35,000 पेड़ लगाए जाएंगे। इसके अलावा वर्षा जल संचयन, सोलर प्लांट की स्थापना, पर्यावरणीय मॉनिटरिंग इत्यादि के भी इंतजाम किए जाएंगे। पर्यावरण प्रबंधन के लिए कुल 62.25 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसके अलावा 14.72 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष इन ससाधनों के रखरखाव के लिए खर्च किए जाएंगे। संयंत्र की स्थापना से क्षेत्र के औद्योगीकरण को भी बढ़ावा मिलेगा। जिले के विकास में तेजी आएगी। स्थानीय लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप दोनों तरफ से रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। संचालन चरण के दौरान अनुमानित रूप से लगभग 2,600 व्यक्ति को कौशल, अर्ध कौशल और अकुशल श्रेणी में नियुक्त किया जाएगा। अर्ध कुशल और अकुशल श्रेणी में रोजगार के लिए स्थानीय जनसंख्या को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके अलावा क्षेत्र के आधारभूत

संरचना के विकास एवं आसपास के लोगों के हितों में भी काम किए जाएंगे। सीईआर गतिविधि के लिए कुल 18 करोड़ रुपए खर्च करने का बजट है, जिसके लिए एक्शन प्लान आज जनसुनवाई में उपस्थित लोगों के सुझाव एवं मांगों को ध्यान में रखकर बनाया जाएगा तथा पर्यावरण वन मंत्रालय के दिशा–निर्देशों से व्यय किया जाएगा। इसके साथ ही मैं एक बार फिर से आप सभी को यहॉ आने के लिए हार्दिक अभिनंदन करता हूॅ और आप सभी से अनुरोध करता हूॅ कि आप संभव ट्यूब्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रस्तावित ग्रीनफील्ड स्टील संयंत्र परियोजना को अपना समर्थन प्रदान करें और आज की जनसुनवाई को सफल बनाएं, बहुत–बहुत धन्यवाद।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, बलौदाबाजार–भाटापारा द्वारा संबोधित किया गया कि धन्यवाद, अब मैं जो है आप लोगों से इस परियोजना के परिप्रेक्ष्य में आप अपने विचार, टीका–टिप्पणी या कोई भी आपत्ति रखना चाहो या सुझाव देना चाहो, तो यहॉ पर आकर अपनी बात रख सकते हैं। यह सारी चीजें आप लिखित में भी दे सकते हैं और आप यदि मौखिक बोलेंगे तो सारी चीजें जो है रिकॉर्डिंग होगी। आप लोगों का सुझाव, टीका–टिप्पणी और आपत्ति के लिए आप आमंत्रित है, एक–एक करके आइए।

1. श्री दिलीप कुमार वर्मा, राष्ट्रीय सचिव इंडियन नेशनल सीमेंट फेडरेशन, प्रदेश सचिव राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस इंटक, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ श्री मजदूर सीमेंट संघ, कार्यकारी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ मोल्डिंग इस्पात कर्मचारी यूनियन ने कहा कि आज जो मेसर्स संभव ट्यूब्स प्राइवेट लिमिटेड की जनसुनवाई रखी गई है, मैं उसका समर्थन करता हूॅ और समर्थन इसलिए करता हूॅ कि आप लोग 4–4 (500 टीपीडी) का किल्न लगाएंगे, लेकिन पर्यावरण अधिनियम का पालन होना चाहिए, श्रम अधिनियम का पालन होना चाहिए और कारखाना अधिनियम का पालन होना चाहिए। आज समर्थन कर रहा हूॅ मंच में, लेकिन जिस दिन इस नियम का पालन नहीं होगा, उसी दिन सबसे पहले विरोध मैं करूॅगा।

2. श्री निलेश पाल, भारतीय मजदूर संघ ने कहा कि मैं प्लांट का समर्थन करता हूॅ।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, बलौदाबाजार–भाटापारा द्वारा संबोधित किया गया कि अगले आइए, बाकी लोग बैठ जाइए, एक–एक करके अपनी बात रखेंगे।

3. श्री सूरज सतनामी, प्रदेश सतनामी समाज संगठन जिला प्रवक्ता ने कहा कि मेसर्स संभव ट्यूब्स प्राइवेट लिमिटेड के पर्यावरणीय जनसुनवाई का हार्दिक स्वागत और समर्थन करता हूॅ।

4. श्री ज्वाला गोस्वामी ने कहा कि आप सभी को मेरा नमस्कार मेसर्स संभव ट्यूब्स प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन करता हूॅ उसके कुछ प्रमुख बिंदु यह है कि अधिकतम

जब भी प्लांट लगते हैं तो प्लांट लगता है बिल्कुल निश्चित ही देश के इकोनामी तो बढ़ती ही बढ़ती है साथ में रोजगार के अवसर भी खुलते हैं, लेकिन मोस्टली यह देखा जाता है कि लोकल जो स्थानीय निवासी हैं वे इससे चूक जाते हैं, तो मेरा आपसे यही निवेदन है कि लोकल जो यहॉ रहते हैं, नेवधा और आसपास के जितने भी रहवासी उनको 70 प्रतिशत नौकरी में आरक्षण देना चाहिए। दूसरी मेरी मांग यह है कि पर्यावरण संरक्षण के सारे नियमों को ध्यान में रखते हुए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करना चाहिए और वृक्षारोपण में फलदार वृक्षों को प्राथमिकता दें और समय—समय पर हमारी महिलाएं, माताएं—बहनें बैठी हुई हैं, आपके तरफ से कौशल विकास के कार्यक्रम लगातार चलाए जाएंगे और उनको प्रशिक्षित करने के पश्चात रोजगार देने की भी जवाबदारी आपकी होनी चाहिए। मैं इन्हीं आशाओं के साथ इस कंपनी मेसर्स संभव ट्यूब्स प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन करता हूॅ। आप सभी का बहुत—बहुत धन्यवाद।

5. श्री रामकुमार वर्मा ने कहा कि पर्यावरणीय जो लोक सुनवाई है इसका समर्थन करता हूॅ और प्लांट प्रबंधन से यह आग्रह करता हूॅ कि जो सीएसआर मद है उससे जो भी हमारे ग्राम में जो भी प्रॉब्लम आएगा उसको साल्व करेंगे, यही मैं अनुरोध करता हूॅ, इसी के साथ अपनी वाणी को विराम देता हूॅ।

6. श्री रमेश कुमार पात्रे, जिला महामंत्री कांग्रेस कार्यकर्ता ने कहा कि मैं इस कंपनी का समर्थन करता हूॅ।

7. श्री गजानंद साहू, युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष, बलौदाबाजार ने कहा कि गांव में जब प्लांट लगता है तो गांव के लोगों को यह उम्मीद रहती है कि हमारे गांव में प्लांट खुल रहा है तो गांव के युवाओं को रोजगार मिलेगी और गांव की दशा और दिशा सुधार होगी तो इसी आशा और उम्मीद के साथ मैं प्लांट का समर्थन करता हूॅ।

8. श्री सोमकांत निर्मलकर ने कहा कि मेसर्स संभव ट्यूब्स प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन करता हूॅ।

9. श्री पप्पू पुरेना सतनामी, जिला अध्यक्ष प्रदेश सतनामी समाज ने कहा कि मैं आज के इस प्लांट की जनसुनवाई का समर्थन करता हूॅ। अपने संगठन के लेटर पैड में दस्तखतयुक्त सौंपता हूॅ।

10. श्रीमती प्रेमलता वर्मा, ग्राम नेवधा ने कहा कि मेरे गांव के बच्चे लोग इधर—उधर घूम रहे हैं उन्हें काम मिलना चाहिए, अरण्य वाटिका में वृक्ष लगना चाहिए, तालाब में पचरी होना चाहिए, मैं इस जनसुनवाई में समर्थन हूॅ।

11. श्री पुनेश रात्रे, जिला उपाध्यक्ष, प्रदेश छत्तीसगढ़ सतनामी समाज ने कहा कि मैं इस लोक सुनवाई का समर्थन करता हूॅ।

12. श्रीमती निधि वर्मा, पंच, ग्राम पंचायत नेवधा ने कहा कि सबसे पहले तो मैं शासन–प्रशासन को धन्यवाद देना चाहती हूॅ जो कि मेरे गांव नेवधा में जनसुनवाई रखे हैं मेरे गांव को आज जनसुनवाई के नाम से जितने आए हैं वे पहचाने हैं। इसके लिए शासन–प्रशासन को मैं धन्यवाद देना चाहती हूॅ और सबसे पहले मेरे गांव में अरण्य वाटिका में पेड़ उखड़ गया है, उसमें पेड़ लगना चाहिए, मेरे गांव का विकास होना चाहिए, मेरे गांव में बेरोजगार बच्चे घूम रहे हैं, उन्हें रोजगार मिलना चाहिए और जो मेरे गांव में धार्मिक कार्यक्रम है, सांस्कृतिक कार्यक्रम है, उसमें सहयोग मिलना चाहिए और विकास हो।

13. श्री कमल बांधे, प्रदेश अध्यक्ष छत्तीसगढ़ मजदूर संघ, प्रदेश संरक्षक छत्तीसगढ़ पत्रकार संरक्षण संगठन छत्तीसगढ़ ने कहा कि आज के छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल द्वारा आयोजित मेसर्स संभव ट्यूब्स प्राइवेट लिमिटेड के पर्यावरणीय लोक जनसुनवाई में पहुंचे आदरणीय अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी महोदया जी, पर्यावरण संरक्षण मंडल के क्षेत्रीय अधिकारी सम्माननीय रबड़े साहब जी, हमारे पर्यावरण विभाग के हमारे समस्त अधिकारी कर्मचारी गण, हमारे श्रम विभाग के समस्त अधिकारी कर्मचारी गण, हमारे राज्य औद्योगिक स्वास्थ्य सुरक्षा विभाग के समस्त अधिकारी कर्मचारी गण, हमारे खनिज विभाग के समस्त अधिकारी कर्मचारी गण, हमारे नेवधा, केसदा, रिंगनी, हथबंध सहित आसपास गांव से आए हुए हमारे समस्त सरपंच गण पंच गण हमारे जिला जनपद के सम्माननीय जनप्रतिनिधि गण हमारे मीडिया के साथी गण हमारे समस्त मजदूर संगठन के हमारे मजदूर लीडर साथी गण हमारी माताएं बहने हामरी मातृशक्ति हमारे युवा साथी गण। आज मेसर्स संभव ट्यूब्स प्राइवेट लिमिटेड के पर्यावरणीय लोक जनसुनवाई का मैं हार्दिक स्वागत करता हूॅ, समर्थन करता हूॅ। स्वागत और समर्थन इसलिए कर रहा हूॅ कि मेसर्स संभव ट्यूब्स प्राइवेट लिमिटेड के खुलने से हमारे केसदा, रिंगनी, हथबंध, नेवधा सहित आसपास गांव हमारे युवा शिक्षित बेरोजगार साथियों को उनकी शैक्षणिक योग्यता के अनुसार काम और रोजगार की व्यवस्था हो पाएगी, जिससे वे अपना और अपने परिवार का भरण पोषण आसानी से कर पाएंगे। हम अभी देख रहे हैं अभी और मिले हमारे कार्यकर्ता ग्रामीण जन से कि बोल रहे थे कि हमारे आसपास गांव में कंपनी नहीं होने से हमारे गांव के युवा साथी गण जो है दूरदराज काम की तलाश में जाते हैं, यहॉ तक कि रायपुर भी जाते हैं, तो मेसर्स संभव ट्यूब्स के खुलने से हमारे स्थानीय बेरोजगार साथियों को काम, रोजगार की निश्चित रूप से व्यवस्था होगी। साथ ही गौण खनिज रॉयल्टी मद, सीएसआर राशि से हमारे आसपास गांव का सर्वांगीण विकास भी होगा। साथ ही सरकार को मिलने वाला राजस्व रेवेन्यू टैक्स, डीएमएफ राशि से हमारे प्रदेश के विकास में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका होगी। भारत सरकार पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ईआईए नोटिफिकेशन 2006 का पूर्णतः पालन करते हुए आज की पर्यावरणीय लोक जन

सुनवाई हो रही है, जिसका मैं स्वागत और समर्थन करता हूॅ। साथ ही मेरे साथ आए हुए हमारे छत्तीसगढ़ मजदूर संघ के हमारे 34 पदाधिकारी गण, साथ ही हमारे केसदा, नेवधा, रिंगनी गांव के 430 ग्रामीण जन एवं कार्यकर्ताओं के साथ लिखित में हस्ताक्षरित मैं सम्मानित पर्यावरण अधिकारी को सौंपूंगा। साथ ही मेरी जनहित, सार्वजनिक हित, मजदूर हित की मांग भी है कि मेसर्स संभव ट्यूब्स प्राइवेट लिमिटेड ग्राम केसदा में 70 प्रतिशत स्थानीय लोगों को काम में रखा जाए। शासन की न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948 का पालन करते हुए कलेक्टर दर में मजदूरी भुगतान हो। साथ ही कंपनी से प्रभावित गांव जो है उसमें वहॉ जो कर्मचारी काम करेंगे और ग्रामीण जनों के स्वास्थ्य के लिए निःशुल्क शिविर लगाकर और एंबुलेंस की व्यवस्था उनके स्वास्थ्य का पूरा देखभाल की जिम्मेदारी कंपनी प्रबंधन की होनी चाहिए। साथ ही वायु प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण अधिनियम की धारा 1981 का कड़ाई से पालन करते हुए कंपनी संचालित होनी चाहिए। साथ ही घनी आबादी, रहवासी क्षेत्र में जो है सुबह–शाम पानी का छिड़काव होना चाहिए। मेसर्स संभव ट्यूब्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा ग्राम केसदा, रिंगनी, नेवधा गांव को गोद लेकर उसके सर्वांगीण विकास की जवाबदारी जो है मेसर्स संभव ट्यूब्स प्राइवेट लिमिटेड की होनी चाहिए। साथ ही पर्यावरण अधिनियम, श्रम अधिनियम, खनिज अधिनियम, राज्य औद्योगिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा अधिनियम, कारखाना एक्ट सहित शासन के तमाम नियमों को फॉलो करते हुए जो है कंपनी संचालित होना चाहिए। उक्त कंपनी में पर्यावरण संरक्षण, संवर्धन हेतु 10,000 पेड़–पौधा लगाने का लक्ष्य देना चाहिए और बीच–बीच में जो है हमारे पर्यावरण विभाग के अधिकारी और हमारे स्थानीय जनप्रतिनिधियों के द्वारा जो है मॉनिटरिंग होनी चाहिए। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था के तमाम इंतजाम होने चाहिए। गांव में सड़क, पुल, पुलिया, नाली, महिला भवन, पचरी घाट निर्माण सहित जनहित का काम शीघ्र होना चाहिए। मैं पुनः मेसर्स संभव ट्यूब्स प्राइवेट लिमिटेड का मैं आज के पर्यावरणीय लोक जनसुनवाई का स्वागत और समर्थन करते हुए अपनी वाणी को विराम देता हूॅ।

14. श्रीमती प्रमिला निर्मलकर, ग्राम नेवधा ने कहा कि मुझे रोजगार चाहिए, बच्चों को रोजगार चाहिए।

15. श्रीमती तारिणी ने कहा कि बच्चों को रोजगार गारंटी चाहिए समर्थन में हूॅ।

16. श्री नंदकुमार वर्मा ने कहा कि मेसर्स संभव ट्यूब्स प्राइवेट लिमिटेड का मैं समर्थन करता हूॅ संभव इस्पात के सभी पदाधिकारी एवं सम्माननीय, आए हुए जनप्रतिनिधि एवं समस्त जनमानस सभी को प्रणाम करते हुए मैं अपनी वाणी को विराम देता हूॅ।

17. श्रीमती मीना साहू, ग्राम केसदा ने कहा कि काम मिलना चाहिए और हम अपने ग्राम केसदा में कीचड़ में चलते हैं वह सड़क बनना चाहिए और पानी भी तंगी है हमारे गांव में बोर भी होना चाहिए और बच्चों को महिलाओं को काम देना चाहिए।

18. श्री पंकज वर्मा ने कहा कि आज पर्यावरणीय लोक जनसुनवाई का मैं समर्थन करता हूॅं।

19. श्री जगदीश ठाकुर युवा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष ने कहा कि मैं प्लांट का समर्थन करता हूॅं।

20. श्रीमती तीजबती ने कहा कि जनसुनवाई का समर्थन करती हूॅं।

21. श्री कमलेश पटेल, प्रदेश सचिव ने कहा कि मैं कंपनी का समर्थन करता हूॅं।

22. श्रीमती लक्ष्मी पाण्डेय, डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी, कमेटी कांग्रेस ने कहा कि यह उद्योग केसदा में लगना है तो इस बात का ध्यान रखा जाए कि केसदा वालों की अनुमति भी इसमें सम्पूर्ण रूप से रहे और क्योंकि यहॉ पर पर्यावरण के अधिकारी बैठे हुए हैं तो उनसे मैं कहना चाहूॅंगी कि जब यह उद्योग लगे तो इस बात का ध्यान रखा जाए कि उद्योग पर्यावरण के सारे नियमों का पालन कर रहे हैं कि नहीं, यदि उद्योग पर्यावरण के सारे नियमों का पालन नहीं करता है, तो मैं लक्ष्मी पाण्डेय अपने समस्त साथियों के साथ यहॉ के निवासियों के साथ ही प्लांट के गेट पर ताला लगा दूंगी, लेकिन मैं सिर्फ इस शर्त में यह मेरी जो शर्ते हैं इस शर्त पर ही मैं उद्योग के लिए समर्थन दे रही हूॅं और मैं यह भी चाहूॅंगी कि जो विभिन्न उद्योगों के लिए सीएसआर की राशि विकास कार्यों के लिए जो है, वह इसके ही जो क्षेत्र हैं और जो यहॉ का काम है, इस पर ही सब खर्च किया जाए और अन्य स्थानों पर खर्च न किया जाए। साथ ही यहॉ पर शिक्षा, खेल, स्वास्थ्य इन सब चीजों पर भी क्षेत्र और आसपास के क्षेत्र में उद्योग काम करें और इन सब चीजों का उद्योग विशेष तौर पर ध्यान दें। उद्योग का हम स्वागत करते हैं।

23. श्री शुभम वर्मा, ग्राम नेवधा ने कहा कि इस संयंत्र का पूर्ण समर्थन करता हूॅं साथ ही जो लोग आ नहीं पाए, उनका समर्थन पत्र आपके सामने देता हूॅं।

24. श्रीमती प्रमिला साहू, महिला कांग्रेस अध्यक्ष भाटापारा ने कहा कि मैं इस उद्योग का स्वागत करती हूॅं लेकिन जो क्षेत्र के आसपास के जो केसदा के जो नौजवान युवक हैं उनको रोजगार मिलना चाहिए फैक्ट्री का स्वागत है।

25. श्रीमती प्रेमिन ध्रुव ने कहा कि मैं फैक्ट्री का समर्थन करती हूॅं।

26. श्रीमती ईश्वरी ध्रुव ने कहा कि मैं कंपनी का स्वागत करती हूॅं, समर्थन करती हूॅं।

27. श्री अमित कुमार वर्मा ने कहा कि इस संयंत्र का पूर्ण समर्थन करता हूॅं।

28. श्री सूरज कुमार साहू, ग्राम नेवधा ने कहा कि मैं कंपनी का समर्थन करता हूॅ और मेरे इस गांव के अरण्य वाटिका है इसका खसरा नंबर 326/1 उसमें उद्योग के प्लांट के लिए बिजली उत्पादन के लिए एनओसी दे चुके हैं उसे निरस्त करके उसमें वृक्षारोपण किया जाए।

29. श्रीमती मोना साहू, पंच, वार्ड क्रमांक 6, ग्राम पंचायत नेवधा ने कहा कि यहॉ के महिलाओं को और सभी लड़कों को बेरोजगार लोगों को संभव कंपनी से रोजगार मिलना चाहिए और उसमें धुआं डस्ट कुछ भी होगा नियम के अनुसार उसे हम उसे खारिज करवा सकते हैं।

30. श्री राहुल तेजवानी, तिल्दा ने कहा कि सर नमस्कार सर मेरा एक क्वेश्चन है कि अभी केसदा प्लांट का आप लोग आज जो जनसुनवाई कर रहे हैं संभव का सर आपको शायद जानकारी है कि नहीं मैं आपसे एक जानकारी पूछना चाहूॅगा आप सभी लोगों से कि वहॉ पूरे 28 एकड़ में पौधे लगे थे मैडम जी, आपको जानकारी है, सर जी आपको जानकारी है, बड़े–बड़े पेड़ लगे थे उनको पेड़ को काटा गया, रजिस्ट्री से पहले मेरे पास पुख्ते कुछ डॉक्यूमेंट्स हैं हम लोग न रोजगार के खिलाफ हैं, न किसी के खिलाफ है अगर कोई प्लांट आता है तो गांव में विकास होता है, गांव का रोजगार बढ़ता है युवाओं को प्राथमिकता मिलती है, हर चीज के लिए महिलाओं को प्राथमिकता मिलती है बेरोजगारी दूर होती है, परंतु मैडम अभी आप लोग 1 जुलाई से फिर वह करेंगे वृक्ष लगाओ, वृक्ष लगाओ, जो वृक्ष लगे हैं उनको काटा गया उन पर आप क्या कार्यवाही करेंगे सबसे पहले यह बताइए एक रिक्वेस्ट है।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, बलौदाबाजार–भाटापारा द्वारा संबोधित किया गया कि आप लिखित में इनको दे दीजिए उस पर कार्रवाई होगी।

श्री राहुल तेजवानी ने कहा कि दूसरा मैडम उद्योग लगाने के लिए एक नॉर्म्स है ग्राउंडवाटर, सरफेस वाटर वहॉ पर कहॉ से आएगा पानी ? उसकी जानकारी क्या प्लांट प्रबंधन ने उपलब्ध करवाई है क्या ? उसकी जानकारी आप लोगों के पास है उसके बाद मैडम सभी चीजें होगी मैडम मेरा रिक्वेस्ट है मेरा विरोध जो है रोजगार के खिलाफ नहीं है मेरा विरोध है पर्यावरण के हमको पर्यावरण बचाना, गांव को बचाना है, मैडम अभी हम लोग थोड़े से लाभ के लिए हम लोगों का आंगन इतना दूषित हो चुका है आप बैठ नहीं सकते। उरला सिलतरा में जब हम लोग शर्ट ऊपर में सुखाते हैं मैडम तो शाम को जब शर्ट नीचे लेने जाते हैं तो काली हो जाती है, सफेद शर्ट तो हम अपने तिल्दा नेवरा के जैसे केसदा को नहीं बनने देना चाहते हैं मैडम एक रिक्वेस्ट है ग्राउंडवाटर, सरफेस वाटर की क्या अनुमति है, पेड़ काटने पेड़ जो काटा गया है उसका इनके पास क्या पुख्ता डॉक्यूमेंट्स है, क्या वन विभाग की अनुमति थी कि किसी राजस्व विभाग की अनुमति थी एक रिक्वेस्ट है इन सब चीजों को ध्यान में

रखकर अगर आप लोगों को लगता है यह सब चीजें लीगल है पेड़ काटकर उद्योग लगने चाहिए तो मैडम आप लोग दे दीजिए अनुमति अन्यथा मैं मैडम इस्पात मंत्रालय दिल्ली में जाकर अपनी आपत्ति जाहिर करूँगा।

31. श्रीमती विमला, पंच, ग्राम पंचायत नेवधा ने कहा कि बेरोजगार बच्चों को रोजगार मिलना चाहिए कंपनी में। कंपनी खुलने के लिए मैं समर्थन में हूॅ।

32. श्री रुपेश कुमार वर्मा, ग्राम नेवधा ने कहा कि यह कंपनी खुल रहा है संभव कंपनी गांव का विकास और आसपास में जितना है उन्हें भी रोजगार देना है।

33. कु. गायत्री यादव ने कहा कि हमारे गांव में अरण्य वाटिका है उसमें पेड़ पौधा लगना चाहिए जनसुनवाई का समर्थन है।

34. कु. मुस्कान निषाद, ग्राम नेवधा ने कहा कि यहॉ सड़के जरूरी है, बनाना है जल्द से जल्द यहॉ तालाब की भी सुविधा करना है, आई होप कि आप बना सकें जल्द से जल्द और ग्राम नेवधा में पेड़ पौधे लगाएं।

35. श्री योगेन्द्र कुमार बघेल, प्रदेश सचिव, भारतीय जनता मजदूर ट्रेड यूनियन काउंसिलिग छत्तीसगढ़ ने कहा कि मैं इस मेसर्स संभव ट्यूब्स प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन करता हूॅ।

36. श्री लक्ष्मण साहू ने कहा कि मैं मेसर्स संभव ट्यूब्स प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन करता हूॅ, लेकिन जितने भी यहॉ बेरोजगार हैं आसपास गांव में उन्हें स्थानीय लोगों को प्राथमिकता दी जाए नौकरी मिलनी चाहिए।

37. श्रीमती सरस्वती निर्मलकर ग्राम केसदा ने कहा कि मेरे गांव का विकास होना चाहिए मैं कंपनी की विरोधी नहीं हूॅ, लेकिन लड़के लोग घूम रहे है, उन्हें काम मिलना चाहिए गली में कीचड़ बह रहा है, उसमें सुविधा होना चाहिए और सब चीज को ध्यान में रखना है।

38. श्री महेन्द्र साहू, जिला पंचायत सदस्य ने कहा कि मैं संभव ट्यूब्स का समर्थन करता हूॅ, समर्थन इसलिए करता हूॅ क्योंकि हम लोग जनप्रतिनिधि हैं, मैं जिला पंचायत सदस्य हूॅ, मैं सवेरे सो कर उठा नहीं रहता हूॅ, मुझे फोन आता है, मुझे काम में लगाओ करके इसलिए मैं चाहता हूॅ कि युवा बेरोजगार लोगों को काम मिलना चाहिए इसलिए मैं कंपनी का समर्थन करता हूॅ।

39. श्रीमती सुनीता यादव, ग्राम केसदा ने कहा कि कंपनी में काम मिलना चाहिए कंपनी का समर्थन करती हूॅ।

40. श्री सनत ठाकुर ने कहा कि मैं इस प्लांट का समर्थन करता हूॅ क्योंकि अगर यहॉ पर प्लांट खुलेगा तो स्थानीय जितने भी बेरोजगार हैं उनको रोजगार मिलेगा और सीएसआर का अच्छा से उपयोग होगा और गांव विकास की ओर अग्रसर होगा और मौखिक के साथ मैं लिखित में भी दे रहा हूॅ अपने कार्यकर्ताओं का सील साइन करके।

41. श्रीमती पूनम वर्मा, पंच, वार्ड क्रमांक 11, ग्राम पंचायत नेवधा ने कहा कि अरण्य वाटिका में पेड़ पौधा लगना चाहिए।

42. श्रीमती तेज बाई साहू, ग्राम नेवधा ने कहा कि पौधा लगाना चाहिए अरण्य वाटिका में बच्चों को काम मिलना चाहिए।

43. श्रीमती रोहिणी साहू ग्राम नेवधा ने कहा कि जो बच्चे घूम रहे हैं पढ़े–लिखे उन्हें काम मिलना चाहिए नेवधा में पेड़ पौधा लगना चाहिए।

44. श्री तुकाराम साहू, ग्राम नेवधा ने कहा कि मैं पर्यावरण विभाग से यह अनुरोध करता हूॅ कि पर्यावरण की दृष्टि से यह आयोजन रखा गया है और हमारे ही गांव के बाजू में पर्यावरण की दृष्टि से पेड़ लगे थे अल्ट्राटेक सीमेंट के द्वारा इस जगह को आज दूसरे प्लांट के लिए सुरक्षित कर दिए हैं तो पर्यावरण की सुरक्षा कहॉ हो पाई। वह कंपनी वाले अपने मतलब को साधते तक कुछ भी कह देते हैं, उसके बाद गांव वालों की कोई नहीं सुनते इन सब चीजों का ध्यान देना चाहिए और इस चीज का पालन करें कंपनी तब समर्थन जारी है।

45. श्री दिलीप कुमार सोनवानी, ग्राम नेवधा ने कहा कि आज इसलिए बोल रहा हूॅ मैडम कि क्या है यहॉ कंपनी खुल रही है ठीक है अच्छी बात है लेकिन क्या है कि कुली कबाड़ी का काम देते हैं अच्छा दिखने वाला काम देना चाहिए कंपनी को बच्चे कुछ सीखें ऐसे ढंग का काम देना चाहिए, यह बोलना चाहता हूॅ मैं और बाकी कुछ नहीं है और क्या है थोड़ा सा नाली साफ सफाई अच्छे से ढंग से रहे पूरा कीचड़ आदमी गिर जाते हैं, यह सब बोलना चाहता हूॅ बाकी कंपनी का समर्थन है।

46. श्रीमती रमेश्वरी गिलहरे, ग्राम केसदा ने कहा कि कंपनी खुलना चाहिए।

47. श्री दीपक कुमार यादव, ग्राम केसदा ने कहा कि ये लोग नेवधा वाले कह रहे हैं कि नेवधा में पचरी बने कह रहे हैं केसदा में कंपनी खुल रहा है वहॉ पचरी नहीं बन रहा है तो नेवधा में कैसे बनेगा केसदा के आदमियों को केसदा में कितने प्लांट है केसदा के आदमी को पूछ लीजिए रोजगार नहीं दे रहे हैं, मैं भी बेरोजगार हूॅ, मैं भी शिक्षित व्यक्ति हूॅ मेरा भी ग्रेज्युशन कंप्लीट हो गया है, जाते हैं कंपनी में तो क्या बोलते हैं बताएंगे भाई आपको फोन करेंगे, लेकिन आज तक फोन नहीं आया है और हमारे गांव में दलाल लोग तो खुश हैं कंपनी खुल रहा है करके लेकिन लिखकर देंगे क्या सर कि

गांव के आदमियों को काम देंगे और उसका आप लोग कोर्टनामा देंगे क्या ? तब मैं सुनवाई की सहमति में हूॅ और नहीं होगा सर तो मैं खिलाफ हूॅ उनके गेट में प्रदर्शन करूॅगा और बहुत बड़ा कंपनी है अभी 3–4 खुले हैं सर उन्होंने भी यही वादा किया था। सभी जनता यही बोले थे समर्थन है समर्थन है करके कहां से पेड़ लगेगा नेवधा में केसदा में नहीं लगा है तो लिखित में दीजिए सर मुझे उसमें चाहिए क्योंकि गया था सर जब पेड़ पौधा कटाई हो रहा था मेरी बकरी गाय वहॉ से हम लोग लकड़ी लाते थे साहब जलाने के लिए, हम वह सब नष्ट हो गया, वह पेड़ पौधा के कटने से मेरा गांव ज्यादा दूर नहीं है सर केसदा 500 मीटर कहते हैं 500 मीटर भी नहीं है, छेदी चक्रधारी के घर से सर 300 मीटर की दूरी होगी, वहॉ से हम मुंह कान धोने के लिए जाते हैं सर वहॉ कंपनी बनने वाला है सर हमारे गांव में सर लड़कों को काम में लेंगे तब मैं सहमत हूॅ सर अगर नहीं लेंगे तो उसके खिलाफ हूॅ सर मैं।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, बलौदाबाजार–भाटापारा द्वारा संबोधित किया गया कि आपकी सुझाव, टीका–टिप्पणी, आपत्ति सभी जो है यहॉ पर रिकॉर्ड किये जा रहे हैं, इसीलिए आप लोग शांतिपूर्वक अपनी बात रखें।

48. श्रीमती कुर्रे, ग्राम नेवधा ने कहा कि कंपनी खुले।

49. श्रीमती चमारीन बाई रात्रे, ग्राम केसदा ने कहा कि कंपनी खुलना चाहिए लेकिन मेरे गांव में बाबा का मंदिर बनना चाहिए।

50. श्रीमती नीरा, ग्राम केसदा ने कहा कि काम में हमें रखना चाहिए यहॉ तीन–तीन कंपनी हो गए हमें कोई काम में नहीं रखते हैं भगा देते हैं उससे सहमत हूॅ मैं कंपनी खुलना चाहिए मगर काम में हमें रखना चाहिए।

51. श्री महेन्द्र दास कुर्रे, ग्राम केसदा ने कहा कि संभव जन सुनवाई का समर्थन करता हूॅ।

52. श्रीमती सुमित्रा वर्मा, ग्राम केसदा ने कहा कि मैं कंपनी में समर्थन करती हूॅ।

53. श्रीमती सावित्री दिवाकर, ग्राम केसदा ने कहा कि कंपनी खुलना चाहिए।

54. श्री धर्मेश कुमार नायक, ग्राम भुरसुदा ने कहा कि मैं एक सफल किसान हूॅ और किसानों के हित में काम होना चाहिए पर्यावरण का संरक्षण होना चाहिए इसके साथ मैं कंपनी का समर्थन करता हूॅ।

55. श्री जितेन्द्र कुमार वर्मा, ग्राम सरोरा ने कहा कि मैं इस पर्यावरणीय लोक सुनवाई में समर्थन करता हूॅ।

56. श्री राज पाण्डेय, सिमगा ने कहा कि आज यह जो संभव जो प्लांट है उसकी जनसुनवाई हो रही है, इसके विषय में मैं यह बताना चाहूँगा कि जैसे भैया ने पहले बताया कि कितने पेड़ काटे गए हैं, क्या पर्यावरणीय लोक सुनवाई यह जो हो रही है इस बात को ध्यान में रखेगी कि क्या इस बात को ध्यान में रखेगी कि वहाॅ पर पानी कहाॅ से आएगा क्या ये जो रोजगार की बात कर रहे हैं कि गांव के लोगों को रोजगार मिलेगा आज जो यहाॅ पर अडानी प्लांट खुला हुआ है भुरसुदा गांव में वहीं के गांव वाले धरने पर बैठे थे क्यों बैठे थे क्योंकि जो लोग बाहर से आ रहे हैं उनकी पेमेंट साल दो साल में डबल होते जा रही है जो गांव वाले हैं वह 12–12 साल से वहाॅ काम कर रहे हैं उनकी पेमेंट 8,000 से सिर्फ 10,000 हो पाई है, लोकल जो लोग हैं उनको रोजगार में प्राथमिकता नहीं दी जा रही है, मैंने खुद सिमगा में पढ़ा है जब वहाॅ के लोग धरने में बैठे थे सिंगरौली से वर्कर लाए जा रहे थे बिना नंबर प्लेट की गाड़ी से अडानी प्लांट की बात कर रहा हूॅ मैं इसके अलावा अगर बात करें जनसुनवाई की जनसुनवाई में किस प्रकार से यह समर्थन होता है आप सभी जानते हैं इस कंपनी के एजेंट हर जगह फैले हैं और सबको पैसा दे दे कर आए हैं ऐसा भी सुनने में आया है की कुछ–कुछ चल रहा है प्रलोभन दिया जा रहा है समर्थन करने के लिए ऐसी जानकारी मिली है परमिशन के लिए तो आपको जांच करनी पड़ेगी इसके अलावा पथर्रा में एक जनसुनवाई हुई गांव वासियों ने विरोध किया कंपनी पास हो गई 2 महीने तक उस गांव में पथर्रा बेमेतरा जिला में पथर्रा आता है, 2 महीने तक गांव वाले कैंप लगाकर धरने पर बैठे रहे न कोई प्रशासन वहाॅ उनकी सुनवाई करने गया न कोई जनप्रतिनिधि गया। दारचुरा की बात कर रहा हूॅ मैं दारचुरा में स्पंज आयरन के लिए एनओसी दी गई थी उसके बाद गांव वालों ने वहाॅ पर प्रदर्शन किया और वह एनओसी निरस्त कराई सरपंच ने फर्जी तरीके से पैसे लेकर के और पंचों ने उसका समर्थन किया था लाखों रुपए लिए थे उसके लिए और किस रोजगार की बात करते हैं आप किस रोजगार की लेबर बनाकर रख दिए हैं लोकल लोगों को न तो पढ़े–लिखे लोग मैं बता रहा हूॅ अभी यहाॅ पर शायद कोई अडानी प्लांट है वहाॅ पर मेरा इंटरव्यू हुआ था, मैं इंटरव्यू भी क्लियर कर लिया उसके बाद जब डॉक्यूमेंटेशन की बारी आई मेरा आधार कार्ड में उस समय मैं इंदौर में पढ़ाई कर रहा था मैं बोला कि मैं इंदौर में रह रहा हूॅ उसके बाद जब डॉक्यूमेंटेशन की बारी आई मेरे आधार कार्ड में एड्रेस था यहाॅ का।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, बलौदाबाजार–भाटापारा द्वारा संबोधित किया गया कि आपकी शिकायत जो है लिखित में आप दे सकते हैं बाकी आप इस जनसुनवाई के बारे में अपनी बात रखें।

श्री राज पाण्डेय ने कहा कि जी मैं उसी बारे में बता रहा हूॅ मैडम कि वहाॅ जब मेरा एड्रेस देखा गया कि मैं यहाॅ का हूॅ लोकल हूॅ तो उसके बाद दो इंटरव्यू के

बाद भी सलेक्शन होने के बाद मुझे कॉल ही नहीं आया इसके लिए तो मैं यह कहना चाहता हूॅ लोकल लोगों को जो रोजगार रोजगार की बात कर रहे हैं न यह जो बोल रहे हैं न कि अपना नाम बात करके समर्थन करते हैं कंपनी के बारे में जानते क्या है कुछ जानते हैं क्या कंपनी के बारे में कुछ विशेष किए हैं क्या कि कंपनी क्या करेगी कंपनी कहॉ से आई है कंपनी का जो उद्देश्य है वह क्या है इनको यह भी नहीं पता इनको सिर्फ यह पता है कि इनके हाथ में कुछ आया है और मुझे समर्थन करना है। ऐसा नहीं होगा बजरंग पावर प्लांट की बात बता रहा हूॅ मैं यह जो सतही जल और इसकी बात करते हैं सिमगा से बजरंग पावर प्लांट में पानी आता है नदी बिल्कुल सूख गई थी गर्मी में उसके बावजूद जो एक नियम होता है कि इतना सतही जल रहेगा उसके बाद भी आपको पानी बंद कर देना है, सप्लाई करना बजरंग पावर प्लांट ने वह पानी बंद नहीं किया वह खींचता रहा पानी खींचता रहा नदी सूखती रही पानी खींचता रहा उसके बाद वहॉ के जब लोकल लोग जागरूक हुए तब जाकर के वह पानी बंद हुआ। यह बजरंग पावर प्लांट सिमगा में चोरी छुपे पाइप से खुदाई कर रहे थे मैं आपको बता रहा हूॅ बिना एनओसी के वह सड़क खोज रहे थे चोरी छिपे रात को 12:00 बजे किसी प्लांट का काम शुरू होते देखा है आपने सिमगा में बता रहा हूॅ मैं, हमने विरोध किया उसका उसके बाद बंद हुआ काम वे रात को 12:00 बजे खुदाई करते थे बिना एनओसी के सुबह 4:00 बजे तक सड़क खोदते थे, पाईप डालते थे और उसके बाद बंद करके चले जाते थे क्यों चले जाते थे क्योंकि जब लोकल लोग जानेंगे तो उसका विरोध करेंगे इसका हमने भरपूर विरोध किया और बाद में वह बंद हो गया तो मैं सिर्फ यही कहना चाहता हूॅ मैडम कि यह जितनी भी पेपर वाली बातें होती है कि लोकल लोगों को रोजगार मिलेगा पर्यावरण का संरक्षण होगा विकास होगा यह होना चाहिए प्लांट आता है निश्चित रूप से देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है लोगों को रोजगार मिलता है लेकिन किन लोगों को रोजगार मिलता है जब हमारे घर में प्लांट खुल रहा है हमारे यहॉ लोकल में यहॉ प्लांट खुल रहा है यहॉ पर ही लोगों को रोजगार नहीं मिल रहा है उनको उस चीज की सुविधा नहीं मिल रही है तो सुविधा किन लोगों को दिया जाता है यह जानना चाहता हूॅ मैं इस प्लांट का कड़े शब्दों में विरोध करता हूॅ क्योंकि मैंने इनके एजेंट्स को भी पकड़ा है यह जो 2—2, 4—4, 10—10 हजार रुपए देकर के जो समर्थन करवा रहे हैं।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, बलौदाबाजार—भाटापारा द्वारा संबोधित किया गया कि आप अपनी बात बोलिए यह आक्षेप का मंच नहीं है इस पर्यावरणीय स्वीकृति के लिए आप जो बोलना चाहते हैं वह बोल सकते हैं और यदि कोई शिकायत आपको ऐसा लग रहा है तो शिकायत पत्र दे सकते हैं।

श्री राज पाण्डेय ने कहा कि मैडम पर्यावरणीय स्वीकृति के लिए ही बोल रहा हूॅ शिकायत क्लियर है मैडम यहॉ जितने लोग बैठे हैं, यह सभी जानते हैं कि

किस हालत में कोई भी प्लांट खुलता है जितना भी प्लांट खुला है वह सब इसी प्रकार से खुला है, दरचुरा सिमगा में ही आता है और अगर सिमगा जब तक के सीईओ साहब यहॉ आए होंगे तो आप उनसे पूछिएगा वहॉ ग्राम सभा हुआ था किस प्रकार से प्लांट को एनओसी दी गई थी और उसके बाद जब गांव वाले जागरूक हुए उनको पता चला तो विरोध करके दर्ज करवाए, मैं यही कहना चाहता हूॅ कि आप यह प्लांट खोलिए इसमें एनओसी तो मिलेगी ही हंड्रेड परसेंट कन्फर्म है, बड़े–बड़े लोग हैं भैया उनका विरोध कौन करेगा बाकी सारा चीज तो उनके ही हाथ में है लेकिन इन चीजों का आप ध्यान दीजिए कि लोकल लोगों को प्रायोरिटी मिले उनको सिर्फ लेबर बनाकर न रखा जाए जो पढ़े–लिखे युवा हैं।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, बलौदाबाजार–भाटापारा द्वारा संबोधित किया गया कि आपकी बात इसमें रिकॉर्ड हो गई है।

श्री राज पाण्डेय ने कहा जी बिल्कुल धन्यवाद इसके लिए और मेरा विरोध दर्ज कराइए मैं यह भी कहना चाहता हूॅ कि अगर इसका पालन नहीं होगा इतनी सारी चीजें हैं मांग कम है उनका यदि पालन नहीं होगा तो हम वहॉ पर यह प्लांट खुलने नहीं देंगे यह भी हम बताना चाहते हैं क्योंकि जनहित के लिए अगर कोई काम हो रहा है तो उसमें जनहित होना भी चाहिए, सिर्फ पेपर में काम करने से नहीं होगा मैडम आप लोग इस चीज को समझते हैं और मैं आशा करता हूॅ कि आप लोग इसका बिल्कुल ध्यान रखेंगे।

57. श्रीमती संतोषी कुर्रे, ग्राम नेवधा, इंटक प्रदेश मजदूर संघ कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने कहा कि मैं संभव कंपनी का समर्थन करती हूॅ लेकिन जो बेरोजगार भाई हैं उनको रोजगार मिलना चाहिए और नेवधा रिंगनी और केसदा इन चारों गांव को कम से कम गोद लें।

58. श्री लोकेन्द्र वर्मा ग्राम तिल्दा ने कहा कि यह प्लांट हजारों पेड़ को काटकर बना है इसलिए पर्यावरण से निवेदन है कि इसे अधिक से अधिक पर्यावरण के लिए पेड़ लगाए और मेरे गांव के युवाओं को रोजगार के लिए तीन–चार प्लांट खुल रहा है ग्राम केसदा के आसपास में और इस प्लांट की जरूरत नहीं है मुझे और इससे अधिक हमारे गांव से 200–300 मीटर है जो ज्यादा दूर नहीं है हमारे गांव से उसमें प्लांट खुल रहा है यह बहुत चिंताजनक बात है कि यहॉ प्लांट नहीं खुलना चाहिए कि गांव से 200 मीटर दूर में कौन प्लांट खुलता है इसको बताइए मैं पर्यावरण की रक्षा से बोल रहा हूॅ कि जितने हजार काटे हैं उससे डबल पेड़ लगाए, वह कटवाए हैं लगाकर दिखाएं पेड़ वह एक पेड़ लगाते हैं तो फोटो छपवाते हैं वह मेरे गांव के युवाओं को रोजगार मिल गया है इससे ज्यादा नहीं चाहिए मुझे।

59. श्रीमती आरती वर्मा, ग्राम नेवधा ने कहा कि मैं संभव कंपनी के समर्थन में हूॅ।

60. श्रीमती सुमन चेलक, ग्राम केसदा ने कहा कि मैं मेसर्स संभव ट्यूब्स प्राइवेट लिमिटेड को समर्थन करती हूॅ।

61. श्री नितेश कुमार बांधे, ग्राम नेवधा ने कहा कि पर्यावरणीय लोक सुनवाई संभव ट्यूब्स प्राइवेट लिमिटेड का समर्थन करता हूॅ।

62. श्री संदीप कुमार निषाद, ग्राम नेवधा ने कहा कि कंपनी का समर्थन करता हूॅ।

63. श्रीमती ईश्वरी वर्मा ग्राम नेवधा ने कहा कि संभव कंपनी के समर्थन में हूॅ।

64. श्रीमती जानकी ने कहा कि कंपनी खुलना चाहिए।

65. श्री धर्मेन्द्र विश्वकर्मा, ग्राम केसदा ने कहा कि मेरे गांव केसदा में कंपनी खुलना चाहिए।

66. श्रीमती लक्ष्मी, ग्राम केसदा ने कहा कि केसदा में कंपनी खुलना चाहिए और सभी को रोजगार मिलना चाहिए।

67. श्रीमती कोसले, ग्राम केसदा ने कहा कि गांव में कंपनी खुलना चाहिए मेरे लड़कों को काम में रखना चाहिए।

68. श्री हिमांशु तिवारी, एनएसयूआई महासचिव ने कहा कि मैं इस जनसुनवाई का समर्थन करता हूॅ।

69. श्री राजकुमार यादव वल्द बल्लू यादव, ग्राम केसदा ने कहा कि मैं आप लोगों से विनती करता हूॅ कि आज तक अपोलो आया है वह आया है हर कंपनी आया है हर कंपनी क्या बोलते हैं की गोद लिए हैं क्या गोद लिए हैं, आज इतने दिन से पानी नहीं मिला क्या कंपनी गोद लिए हैं आप लोगों से विनती करता हूॅ सर ऐसी कंपनी नहीं चाहिए। ऐसी कंपनी क्यों चाहिए सर जो गोद लिए हैं गोद लेने के बाद भी ऐसे छोड़ते हैं कि पानी के लिए भी तरसा दिए हैं आप लोग तो कंपनी वाले आप लोग तो पैसे वाले हैं भाई आप लोग तो 1000 फीट खोद लिए हैं हमारे गांव में कहॉ से पानी आएगा, हम लोग पानी के लिए तरस रहे हैं, हम कहॉ से पानी लाएं हमारे तो घर में एक बूंद पानी नहीं मिलता है आज भी पानी के नाम से रो रहा हूॅ सर, पानी कहॉ से लाएंगे कंपनी ने 2000 फीट खुदाई किया है, हम कहॉ से करेंगे कंपनी नहीं खुलना चाहिए सर, यह सब पानी दे हमें क्यों गोद लिए हैं, क्या गोद लिए हैं किस चीज के लिए गोद लिए हैं बताइए कंपनी वाले बताएं किस चीज के लिए गोद लिए हैं अगर मेरी बात किसी को गलत लगा है तो अच्छी बात है हमको भी पानी और बिजली चाहिए आज तक कोई व्यवस्था नहीं है कोई भी कंपनी आते हैं तो बोलते हैं कि गोद

ले लिए हैं क्या चीज का गोद लिए हैं। मेरा इस कंपनी को विरोध है आप कंपनी मत खोलिए कंपनी हर चीज के लिए सब अपने फायदे के लिए है कोई तरक्की नहीं है सभी 1000 में बिके हैं लेकिन एक दिन पानी के लिए तरसेंगे तब समझ में आएगा कल पानी के लिए तरसेंगे तब समझ में आएगा पानी के लिए पूरा महिलाएं कहां–कहॉ नहीं गई यह बात सत्य है सर।

70. श्रीमती गायत्री ग्राम केसदा ने कहा कि मेरे गांव में कंपनी खुल रहा है मेरे बच्चों को काम देना चाहिए कंपनी को समर्थन देती हूॅ।

71. श्रीमती देवंतीन देवांगन, ग्राम केसदा ने कहा कि मेरे गांव में बच्चे बुजुर्ग जो भी काम करने के लायक है मैडम उसको काम देना चाहिए।

72. श्री डिगेश कुमार बांधे ने कहा कि संभव कंपनी का समर्थन करता हूॅ।

73. श्रीमती सतवंतिन कुर्रे, ग्राम केसदा ने कहा कि काम चलना चाहिए और सभी बच्चों को काम मिलना चाहिए।

74. श्री डिगेश्वर कुमार निषाद, ग्राम नेवधा ने कहा कि मेसर्स संभव ट्यूब्स प्राइवेट लिमिटेड को मैं समर्थन करता हूॅ।

75. श्री संतोष यादव, ग्राम केसदा ने कहा कि जब 55–56 कंपनी खुल गए तो इस कंपनी को क्यों बंद करेंगे सर यह खुलना चाहिए।

76. श्रीमती श्यामकली दिवाकर, पंच, वार्ड क्रमांक 13, ग्राम पंचायत केसदा ने कहा कि कंपनी खुलना चाहिए और गांव के बच्चों को काम मिलना चाहिए।

77. श्री लोमस वर्मा, ग्राम केसदा ने कहा कि कंपनी खुलना चाहिए ठेकेदारी में 100–200 रू. रोजी में नहीं 20000 रूपये महीना में रखना चाहिए वह भी परमानेंट।

78. श्रीमती शकुन, ग्राम केसदा ने कहा कि प्लांट खुलना चाहिए और डबरी पारा में पानी की बहुत समस्या है तालाब चाहिए और नाली चाहिए और प्लांट खुलना चाहिए।

79. श्री तुलसीराम गौतम, ग्राम नेवधा ने कहा कि मैं प्लांट का समर्थन करता हूॅ।

80. श्रीमती देवंतीन यादव, ग्राम केसदा ने कहा कि मेरे गांव में रोड बनना चाहिए और पानी टंकी बनना चाहिए।

81. श्रीमती ध्रुव, ग्राम केसदा ने कहा कि पानी की समस्या है हमारे गांव में और काम मिलना चाहिए।

82. श्रीमती सुख बाई, ग्राम केसदा ने कहा कि बच्चे काम में जाते हैं भगा देते हैं साहब काम मिलना चाहिए।

83. श्री चरण दास जांगड़े, भारतीय जनता मजदूर ट्रेड यूनियन ब्लॉक उपाध्यक्ष तिल्दा ने कहा कि मैं इस प्लांट का समर्थन करता हूॅ।

84. श्री दुलौरीन महिलांग, ग्राम केसदा ने कहा कि कंपनी खुलना चाहिए।

85. श्री नारायण यादव, ग्राम सरोरा ने कहा कि इस प्लांट का समर्थन करता हूॅ।

86. श्रीमती उषा कुर्रे ग्राम केसदा ने कहा कि कंपनी खुलना चाहिए।

87. श्रीमती गणेशा, ग्राम केसदा ने कहा कि बच्चों को एक दिन दो दिन काम करवाते हैं फिर बैठा देते हैं कंपनी बन रहा है बराबर काम दें।

88. श्रीमती बिसवंतीन, ग्राम केसदा ने कहा कि यहॉ प्लांट खुलना चाहिए।

89. श्रीमती मुन्नी बाई ने कहा कि प्लांट खुलना चाहिए लेकिन काम मिलना चाहिए।

90. श्री उत्तम सतनामी, ग्राम नेवधा ने कहा कि मैं अपोलो में जब 3 महीना काम किया हूॅ उसका पेमेंट मुझे अभी तक नहीं मिला है

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, बलौदाबाजार–भाटापारा द्वारा संबोधित किया गया कि लिखकर दे, आपकी शिकायत है तो उसकी जांच की जाएगी।

91. श्री अनिकेत साहू, सिमगा ने कहा कि मैं समर्थन करता हूॅ।

92. श्री शिव प्रसाद सोनवानी, ग्राम नेवधा ने कहा कि कंपनी में काम मजदूरों को दिया जाए इस चीज में मैं उसका पूर्ण सहयोग प्रदान करता हूॅ।

93. श्री राकेश कुमार दिवाकर, ग्राम नेवधा ने कहा कि कंपनी खुलना चाहिए।

94. श्रीमती जानकी वर्मा, ग्राम केसदा ने कहा कि गांव का विकास चाहिए और सभी को रोजगार चाहिए। मैं लिखित में दे रही हूॅ।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, बलौदाबाजार–भाटापारा द्वारा संबोधित किया गया कि जो भी अपनी आपत्ति, टीका–टिप्पणी रखना चाहते हैं वह लिखित में भी यहॉ दे सकते हैं।

95. श्रीमती राधाबाई साहू, ग्राम नेवधा ने कहा कि प्लांट खुलना चाहिए बच्चों को काम देना चाहिए और कंपनी खुलना चाहिए।

96. श्रीमती गंगोत्री निषाद, ग्राम केसदा ने कहा कि सभी को काम देना चाहिए काम करने के लायक है उन्हें।

97. श्रीमती देवांगन, ग्राम केसदा ने कहा कि आज भी मैडम पढ़े लिखे नौजवान ऐसे ही घूम रहे हैं इस कंपनी में काम मिल सकता है उन्हें मैं कंपनी का समर्थन करती हूॅ।

98. श्रीमती रजनी ग्राम केसदा ने कहा कि कंपनी खुलना चाहिए।

99. श्री मोहित चेलक, ग्राम केसदा ने कहा कि कंपनी खुलना चाहिए।

100. श्री संत कुमार भारतीय जनता ट्रेड यूनियन काउंसिलिंग ब्लॉक अध्यक्ष ने कहा कि इस प्लांट का समर्थन करता हूॅ।

101. श्री मुकेश कुमार साहू ने कहा कि मेसर्स संभव ट्यूब्स को समर्थन देता हूॅ।

102. श्री अजय कुमार सोनवानी ने कहा कि इस कंपनी में समर्थन करता हूॅ।

103. श्री अमित वर्मा, ग्राम नेवधा ने कहा कि मैं कंपनी का समर्थन करता हूॅ।

104. श्रीमती तिलेश्वरी निषाद, ग्राम नेवधा ने कहा कि कंपनी खुलना चाहिए और काम मिलना चाहिए।

105. श्रीमती कविता साहू ग्राम नेवधा ने कहा कि कंपनी खुलना चाहिए।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, बलौदाबाजार–भाटापारा द्वारा संबोधित किया गया कि जो भी अपनी टीका–टिप्पणी, सुझाव या आपत्ति दर्ज करना चाहते हैं वह लिखित में भी दर्ज कर सकते हैं।

106. श्रीमती शांति निषाद, ग्राम नेवधा ने कहा कि मेरे बाल बच्चों को डेली काम मिलना चाहिए।

107. श्रीमती पद्मनिशा निषाद, ग्राम नेवधा ने कहा कि प्लांट खुलना चाहिए।

108. श्री दीपेश बलराम निर्मलकर, ग्राम केसदा ने कहा कि मैं इस प्लांट का स्पष्ट रूप से विरोध करता हूॅ, खुलना है खुलना है बोल रहे हैं और मेरे पीछे मेरे गांव के बहुत से युवा हैं लेकिन उनके बोलने की हिम्मत नहीं हो रही है यहॉ उन्हें मौका नहीं मिल रहा है तो, मैं सभी की तरफ से बोलना चाहता हूॅ जितने लोग भी यहॉ पर आकर बोले हैं समर्थन करते हैं समर्थन करते हैं, 100 आदमी में 90 आदमी नेवधा के हैं तो नेवधा वाले समर्थन कर रहे हैं और जहॉ पर जनसुनवाई हो रही है नेवधा में, मैं विरोध करता हूॅ तो कहते हैं केसदा की जमीन को छोड़कर नेवधा के इसी जमीन पर उस प्लांट को

लगाओ तब नेवधा वालों को पता चलेगा कि कंपनी से क्या होता है हमारे गांव में तीन–तीन, चार–चार कंपनियां बनी हैं मैं अभी 18 साल मेरा लगने वाला है 18वां साल और मैं अपना बचपन से यह सब चीजों को देख रहा हूॅ 05 साल हो गए मुझे इन सब चीजों को देखते, मैं जानता हूॅ कि मेरे गांव का विकास हो रहा है कि क्या हो रहा है। मेरे गांव में पिछले बीते 2 साल में मेरे गांव में इतना जल की समस्या आया है मेरे घर का खुद का बोर बंद हो गया है और जिस प्लांट में यहॉ अभी संभव स्टील ट्यूब्स का जो प्लांट बन रहा है, उस प्लांट को खुद देख लीजिए मेरे पिताजी कर रहे थे उस प्लांट को बेच दिया गया है, उसमें हजारों पेड़ को काट दिया गया है और मेन कारण यही ठेकेदारी है, आप लोग जितना कह रहे हो न हमारे गांव के लोगों को रोजगार देंगे पानी देंगे कुछ नहीं मिलने वाला है, आप लोगों को याद रखिए कभी नहीं मिलेगा न गांव का विकास होगा न कुछ मिलेगा आप लोगों को और मेन बात है जितने लोग भी यहॉ समर्थन करते हैं कह रहे हैं, सब पैसे का खेल है भाई मेरे कहने से मेरे विरोध करने से अकेले कुछ नहीं हो जाएगा क्योंकि इतना बड़ा प्लांट है मैं जानता हूॅ, लेकिन फिर भी मैं विरोध करूॅगा क्योंकि पैसे का खेल है और पैसे के आगे कोई नहीं टिक सकता है यह प्लाट बनेगा एनओसी मिल गया है, लेकिन मैं विरोध अपने तरफ से कर रहा हूॅ व्यक्तिगत रूप से कर रहा हूॅ और अपने पूरे गांव की तरफ से कर रहा हूॅ चाहे गांव में हमारा 5000 जनसंख्या है और गांव के अगर 4999 आदमी एक तरफ है तो मैं अकेला युवा एक तरफ हूॅ क्योंकि गांव में आगे मुझे रहना है मुझे यहॉ पढ़ना है लिखना है भले मैं पढ़ाई करने के लिए 4 साल बाहर जाऊंगा लेकिन कुल मिलाकर आकर मुझे जीना है और माताएं आ आकर कह रही है समर्थन करते हैं कितने लोगों को लिए हैं यहॉ से आप लोग बताइए प्रकृति का खेल है जीना मरना तो लगा है जिनकी अभी 60 साल उम्र है वह 66 साल जिएंगे लेकिन हमारा तो अभी 18 साल चल रहा है हम कम से कम 50 साल जिएंगे 30 साल तो हमें देखना है हमारे गांव को। पूर्ण रूप से विरोध करता हूॅ।

109. श्रीमती जमुना बघेल, ग्राम केसदा ने कहा कि मैं निःस्वार्थ कहती हूॅ कंपनी खुलना चाहिए।

110. श्री दुर्गेश वर्मा, ग्राम केसदा, ग्रामीण अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ क्रांति सेना ने कहा कि मैं यह बोलना चाहता हूॅ सर जहॉ पर प्लांट खड़ा हो रहा है न इसके जस्ट पीछे नहर है नहर में एक बूंद पानी नहीं आ रहा है जिंदगी भर आज तक नहीं आया हैं अभी से इस परेशानी से हम भुगत रहे हैं आज भी हमारे पास रिकॉर्ड है हमारे युवा लोग बोल रहे हैं कि वहॉ प्लाट का पानी कम से कम हमारे नया तालाब में आना चाहिए इस प्लांट का विरोध करता हूॅ मैं प्लांट नहीं खुलना चाहिए प्लांट। खुलना चाहिए तो 10 किलोमीटर दूर खुलना चाहिए गांव के अंदर नहीं खुलना चाहिए प्लांट का विरोध करता हूॅ मैं। प्लांट खुल रहा है उससे अच्छा दारू भट्ठी गांव में खोल दें, प्लांट की

क्या बात है दारू भट्ठी खोल कर बैठो ताकि चखना सेंटर खोल लेंगे न अपना अपना पेट रोजी पाल सके।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, बलौदाबाजार–भाटापारा द्वारा संबोधित किया गया कि परियोजना के संबंध में अपनी बात कीजिए।

श्री दुर्गेश वर्मा ने कहा कि सर प्लांट इतना खुल रहा है पानी की इतनी समस्या हो गई है हमारे गांव में पानी के लिए मर रहे हैं 06 जगह बोरिंग खुदाई करवा चुके हैं हमारे सरपंच और पंच केसदा गांव के लेकिन 02 जगह सिर्फ पानी निकला है बाकी जगह पानी एक बूंद नहीं निकला है पानी का क्या करें बताइए। दारू निकलेगा कि पानी निकलेगा, कुछ नहीं निकलेगा। केसदा गांव में प्लांट नहीं खुलना चाहिए। गांव के अंदर अभी डस्ट हो रहा है वह नहीं होना चाहिए यही बोलकर अपनी वाणी को विराम देता हूँ गांव के अंदर प्लांट नहीं खुलना चाहिए।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, बलौदाबाजार–भाटापारा द्वारा संबोधित किया गया कि परियोजना प्रस्तावक अपना जो है जवाब तैयार रखेंगे इसके बाद।

111. श्रीमती दिव्या सिन्हा ने कहा कि गांव में कंपनी खुलना चाहिए।

112. श्री महेश लोहार, ग्राम केसदा ने कहा कि मैं मेसर्स संभव को कंपनी खोलने के लिए धन्यवाद देता हूँ परंतु एक शिकायत भी करता हूँ कि जब स्थानीय लोगों को बोल रहे हैं कि काम देंगे और खुल जाता है तो 75% बिहार और यूपी के आदमी आते हैं 25% हमारे गांव के ही काम करते हैं कोई इधर जाते हैं कोई उधर जाते हैं तो मैं यह चाहता हूँ कि हमारे स्थानीय के रहते दूसरे प्रदेश के आदमी को काम नहीं मिलना चाहिए। मैं इतना कहकर सावधानी बरतने की अपील करता हूँ।

113. श्रीमती पूजा, ग्राम केसदा ने कहा कि कंपनी खुलना चाहिए।

114. श्री मनोज यादव, ग्राम केसदा ने कहा कि हमें कोई तकलीफ नहीं है पानी की तकलीफ है हमको पानी चाहिए कंपनी पानी हमें दे गांव में हमको पानी चाहिए। पानी हमको चाहिए।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, बलौदाबाजार–भाटापारा द्वारा संबोधित किया गया कि परियोजना प्रस्तावक को आमंत्रित करती हूँ कि वे अपना जवाब सामने में प्रस्तुत करेंगे।

115. कु. कौशल्या यादव ने कहा कि यह कंपनी खुलनी चाहिए। इससे आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा और लोगों को जीवन शैली सामान्य से ऊपर रहेगी।

116. कु कंचन निर्मलकर ग्राम केसदा ने कहा कि मैं चाहती हूॅ कि कंपनी खुलनी चाहिए ताकि सभी लोगों को रोजगार और मजदूरी मिल सके और हम जैसे ग्रेजुएशन पढ़े लिखे गर्ल्स ब्वायज दोनों को यहॉ पर रोजगार मिल सके।

117. श्रीमती मोहिनी साहू ने कहा कि मैं इस कंपनी का समर्थन करती हूॅ लेकिन इतने कंपनी खुले हैं किसी को अधिकार नहीं दिया गया है, इस कंपनी खुल जाने का किसको अधिकार नहीं देगा।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, बलौदाबाजार–भाटापारा द्वारा संबोधित किया गया कि परियोजना के प्रस्तावक जो हैं अपना जवाब प्रस्तुत करेंगे।

परियोजना प्रस्तावक की ओर से श्री विकास ठाकुर, पर्यावरणीय सलाहकार, संभव ट्यूब्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संबोधित किया गया कि सभी का मैं अभिनंदन करता हूॅ और साथ में मेरे उपेन्द्र चौधरी जी हैं। आप सभी ने अपनी–अपनी चिंताएं व्यक्त किए, उसके लिए मैं कंपनी की तरफ से यह जानकारी देता हूॅ। प्रमुख चिंता रोजगार को लेकर, पेयजल को लेकर, सीएसआर को लेकर, युवाओं, महिलाओं के रोजगार को लेकर और गांव में तालाब, पानी, बिजली आदि समस्या के बारे में थी। मैं कंपनी की तरफ से आपको बताना चाहता हूॅ कि कंपनी में पर्यावरण के संरक्षण के लिए 62 करोड़ रुपए का प्रस्ताव किए गए हैं, जिसमें कि वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण, मृदा प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण आदि का ध्यान रखा जाएगा और हमारी परियोजना में जल का स्त्रोत सतही जल होगा, पानी सतही जल से लाया जाएगा, जिसके लिए विधिवत् जो भी आवश्यक परमिशन लिया जाएगा, उसके बाद ही पानी लिया जाएगा, उससे गांव वालों को पानी की समस्या नहीं होगी। वायु प्रदूषण के लिए भी 30 मिलीग्राम से कम का वायु प्रदूषण रखा जाएगा। स्थानीय लोगों को रोजगार दिया जाएगा 2,600 लोगों को रोजगार दिया जाना प्रस्तावित है, जिसमें अकुशल में 100% लोकल लोगों को ही दिया जाएगा और 70% अर्ध कुशल में और 40% जो है प्रशासनिक में स्थानीय लोगों को दिया जाएगा। वृक्षारोपण की जो बात है हम हमारे कुल प्लांट का क्षेत्र जो प्रस्तावित है, उसके लगभग 33.94% में ग्रीन बेल्ट लगाएंगे, जिसमें 35,000 पेड़ प्रस्तावित है। इसके अलावा युवाओं को रोजगार, एम्बुलेंस मेडिकल और एक अन्य बात हुई सड़क की बात हुई है, तो हम बताना चाहते हैं कि कंपनी के प्रस्ताव में सीईआर मद में 18.11 करोड़ रुपए का प्रस्ताव है, जो कि आसपास के गांव में पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के दिशा–निर्देशों के अनुसार खर्च किया जाएगा, जिसके लिए आसपास के ग्रामीणों से भी संपर्क करके उनकी आवश्यकताओं को देखा जाएगा और पानी की समस्या की है कि आसपास पानी टेंकर के लिए भी हम अपने सीएसआर सीईआर मद में काम करेंगे, धन्यवाद।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी, बलौदाबाजार–भाटापारा द्वारा संबोधित किया गया कि आपकी आपत्ति, सुझाव दर्ज कर किए गए हैं और आपकी आपत्ति, सुझाव, टीका–टिप्पणी, उसकी रिकॉर्डिंग यहॉ पर कर ली गई है, जो कि पर्यावरण मंडल के माध्यम से पर्यावरणीय स्वीकृति के लिए भेजी जाएगी, उसके बाद ही संभव ट्यूब्स को पर्यावरणीय स्वीकृति मिलने के पश्चात ही आगे की कार्यवाही की जाएगी। यह जनसुनवाई यहीं पर समाप्त की जाती है, धन्यवाद। लोक सुनवाई का कार्यक्रम अपरान्ह 12:20 बजे समाप्त हुआ। लोक सुनवाई के दौरान प्राप्त कुल आवेदन पत्रों की संख्या 248 है। जिसमें श्री शुभम वर्मा, ग्राम नेवधा (उक्त कार्यवाही विवरण के सरल क्रमांक 23 पर अंकित प्रवक्ता) के माध्यम से 227 आवेदन प्रस्तुत किया गया तथा 01 आवेदन छत्तीसगढ मजदूर संघ प्रदेश अध्यक्ष श्री कमल बांधे द्वारा प्रस्तुत किया गया एवं 20 आवेदन कार्यालय कलेक्टर, जिला बलौदाबाजार–भाटापारा के माध्यम से प्राप्त किया गया। सम्पूर्ण लोक सुनवाई की वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी की गई।

प्रकाश कुमार रबड़े
क्षेत्रीय अधिकारी,
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मण्डल,
रायपुर

सुश्री दीप्ति गौते,
अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी,
बलौदाबाजार–भाटापारा